



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 45] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 9, 1974 (कार्तिक 18, 1896)
No. 45] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 9, 1974 (KARTIKA 18, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

नोटिस (NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 28 फरवरी 1973 तक प्रकाशित किये गये हैं —

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to the 28th February 1973 :—

अंक Issue	संख्या और तिथि No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
--------------	--------------------------------	-----------------------------------	-----------------

—शून्य—

—Nil—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां, प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र नियन्त्रक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazettes Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Controller of Publications, Civil lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Controller within ten days of the date of issue of these Gazettes:
311GI/74 (935)

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 935	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3115
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1735	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	385
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	181	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	6443
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1217	भाग III—खंड 2—एकस्थ कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस	793
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	513
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2761	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस	159
		पूरक संख्या 45—	
		2 नवम्बर 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट	1399
		12 अक्टूबर, 1974 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु-संबंधी आंकड़े	1415

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	PAGE 935	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3115
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1735	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	385
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	181	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	6443
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1217	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	793
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	513
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc., of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2761	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	159
		SUPPLEMENT NO. 45	
		Weekly Epidemiological Reports for week ending 2nd November 1974	1399
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 12th October, 1974	1415

भाग I—खंड 1

PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आवेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय
नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1974

सं० 102-प्रेज०/74—राष्ट्रपति मिजोरम पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री प्रणव कुमार देव कानूनगो,
पुलिस उप-निरीक्षक,
मिजोरम विशेष शाखा,
मिजोरम।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

10 मार्च, 1974 को जब मिजोरम के उपराज्यपाल कौनपुई और होरतोकी का दौरा करने के बाद आइज़ल को लौट रहे थे, तो विरोधियों ने घात लगा कर उप राज्यपाल पर आक्रमण किया। श्री प्रणव कुमार देव कानूनगो उप राज्यपाल के साथ सुरक्षा ड्यूटी पर थे। यद्यपि उनकी बाईं कुहनी के जोड़ पर कई गोलियां लगीं और दायां बाजू के अगले भाग में भी गोली लगी थी, फिर भी उन्होंने सन्तुलन बनाए रखा और हमले का प्रभावकारी ढंग से सामना किया।

विरोधियों के साथ मुठभेड़ में श्री प्रणव कुमार देव कानूनगो ने भारी जोखिम के बावजूद अनुकरणीय साहस और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम (4)

(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फल-स्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 10 मार्च, 1974 से दिया जाएगा।

सं० 103-प्रेज०/74—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं:—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री सुरेंद्र कुमार पाल,

पुलिस उप-निरीक्षक,

(स्थानापन्न)

जिला आसूचना शाखा,

24 परगना,

कलकत्ता, पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

11 सितम्बर, 1971 को चण्डीतला में एक मकान की तलाशी लेने के लिए जो पुलिस दल नियत किया गया था उसमें श्री सुरेंद्र कुमार पाल भी एक सदस्य थे। उग्रपंथियों की एक स्थानीय समिति इस मकान का मुख्यालय के रूप में उपयोग करती थी। पुलिस दल को तीन भागों में बांट दिया गया। भागने के रास्ते को रोकने के लिए पुलिस के दो दल मकान के पिछली ओर रहे और तीसरे दल ने श्री सुरेंद्र कुमार पाल के नेतृत्व में सामने से मकान में प्रवेश करने का प्रयत्न किया। मकान के अन्दर से जैसे ही उग्रपंथियों ने पुलिस दल को देखा, उन्होंने पाइपगनों तथा राइफलों से गोली चलाना शुरू कर दिया और हथगोले तथा बम भी फेंके जिससे पुलिस उप-निरीक्षक पाल तथा कास्टेबल बामुदेव साहा गम्भीर रूप से घायल हो गए। उग्रपंथियों के अनुकूल स्थिति में होने के कारण पुलिस दल संकट में पड़ गया था। श्री पाल अपने आपको भारी खतरों में डाल कर अहाते की दीवार फांदकर दूसरी ओर कूद गए। एक उग्रपंथी ने उन्हें देख लिया और गोली चलाने की कोशिश की परन्तु बहादुर उप-निरीक्षक पाल ने अपने रिवाल्वर में पांच राउण्ड गोली चलाई जिसके परिणामस्वरूप उग्रपंथी घायल हो गया और बाद में घावों के कारण मर गया। बड़ी संख्या में हथियार, गोलाबारूद तथा विस्फोटक छोड़ कर शेष उग्रपंथी भाग गए।

उग्रपंथियों के साथ मुठभेड़ में श्री सुरेंद्र कुमार पाल ने अनुकरणीय साहस तथा उच्च-कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस के नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 11 सितम्बर, 1971 से दिया जाएगा।

सं० 104-प्रेज०/74—राष्ट्रपति हरियाणा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री चन्दू लाल,
पुलिस उप-निरीक्षक,
रोहतक जिला,
हरियाणा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किया गया

19/20 फरवरी, 1973 को बहादुरगढ़ अज्जर रोड पर नुनामाजरा गांव के निकट कुछ सशस्त्र बदमाशों ने 8 ट्रकों और एक कार को रोक लिया और उनकी सवारियों को लूट लिया। बदमाश फायर-आर्म लिए हुए थे। ट्रक ड्राइवों में से एक घटनास्थल से खिसकने में सफल हो गया और उसने थाने में रिपोर्ट लिखा दी। रिपोर्ट मिलते ही उप-निरीक्षक चन्दू लाल अपने जवानों के साथ तुरन्त अपराध स्थल की ओर बढ़े। जैसे ही पुलिस दल घटनास्थल के समीप पहुंच ही रहा था तो उन्होंने पांच व्यक्तियों को ईब के खेत से बाहर आते हुए देखा। वे वही अपराधी थे जिन्होंने ट्रकों को लूटा था। पुलिस दल द्वारा ललकारे जाने पर अपराधियों ने गोली चला दी। पुलिस दल ने जवाब में तुरन्त गोली चलाई मुठभेड़ में दो डाकू मारे गए और शेष तीन गिरफ्तार कर लिए गए। दो पिस्तौल, 18 खाली व भरे कारतूस तथा लूटी गई सम्पत्ति बरामद की गई।

डाकूओं के साथ मुठभेड़ में उप-निरीक्षक चन्दू लाल ने उत्कृष्ट वीरता और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फजस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 20 फरवरी, 1973 से दिया जाएगा।

सं० 105-प्रेज०/74—राष्ट्रपति पश्चिम बंगाल पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :—

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री गजाधर पाण्डे,
कांस्टेबल सं० 3740,
24 परगना।
कलकत्ता, पश्चिम बंगाल।
श्री रणजीत देव,
कांस्टेबल सं० 4754,

24 परगना,
कलकत्ता, पश्चिम बंगाल।

सेवाओं का विवरण जिनके लिये पदक प्रदान किये गये

27 नवम्बर, 1973 को जब कांस्टेबल सर्वश्री गजाधर पाण्डे और रणजीत देव बी० टी० रोड पर यातायात ड्यूटी पर थे, तो उग्रपंथियों ने भोजाली, छुरों, संगीनों और लोहे की छड़ों से उन पर अचानक आक्रमण कर दिया। बदमाशों ने कांस्टेबल रणजीत देव को पकड़ लिया और उनके सिर और गर्दन पर प्रहार किया और उनसे रिवाल्वर छीनने का भी प्रयत्न किया। अपने साथी श्री देव को घिरा हुआ देखकर दूसरा कांस्टेबल उनके बचाव के लिए आया। गम्भीर रूप से घायल होते हुए भी कांस्टेबल रणजीत देव इस बीच उठ खड़े हुए और उन्होंने अपनी रिवाल्वर से बदमाशों पर दो राउंड गोलियाँ चलाई। फिर एक बदमाश से संगीन छीन ली जो उसे उन पर धोपने का प्रयत्न कर रहा था। किन्तु चोट के कारण कांस्टेबल देव गिर पड़े। इस संगतपूर्ण स्थिति में कांस्टेबल गजाधर पाण्डे ने श्री देव के हाथ से रिवाल्वर ले ली और बदमाशों पर गोली चलाई। कांस्टेबल द्वारा गोली चलाई जाने के परिणामस्वरूप एक बदमाश घटना-स्थल पर मारा गया और दूसरा घावों के कारण बाद में मर गया। कांस्टेबल गजाधर पाण्डे और रणजीत देव को अस्पताल में लम्बा इलाज कराना पड़ा था।

उग्रपंथियों के साथ मुठभेड़ में श्री गजाधर पाण्डे और श्री रणजीत देव ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अनुकरणीय साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया।

सं० 106-प्रेज०/74—इस मन्त्रालय की दिनांक 18 मार्च, 1973 की अधिसूचना संख्या 16-प्रेज०/73 में प्रकाशित पूर्वता सारणी में राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित निम्नलिखित संशोधनों को सामान्य सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है :—

(1) अनुच्छेद 27 में, भारत सरकार के अपर सचिवों के संबंध में प्रविष्टि के नीचे और राज्यों के महाधिवक्ता (एडवोकेट जनरल) के मध्वन्ध में प्रविष्टि के ऊपर— 'अपर महान्यायधिकर्ता' (अडीशनल सॉलिसिटर—जनरल) जोड़ा जाए।

(2) सारणी के नीचे नोट 7 के स्थान पर निम्नलिखित नोट प्रतिस्थापित किया जाए।

नोट 7—अनुच्छेद 25 में विदेश सचिव को छोड़ कर विदेश मन्त्रालय में सचिवों की पूर्वता भारतीय विदेश सेवा के ग्रेड-1 में उनकी वरिष्ठता के क्रम से रहेगी और दोनों की पूर्वता विदेश सचिव के बाद रहेगी।
नोट 8—अनुच्छेद 27 में :—

(1) विदेश मन्त्रालय में अपर सचिवों की पूर्वता विदेश सेवा के ग्रेड-2 में उनकी वरिष्ठता के अनुसार रहेगी;

- (2) अपर महान्यायधिकर्ता (अडीशनल मानिसिटर-जनरल) की पूर्वता राज्यों के महाधिवक्ताओं के ऊपर रहेगी;
- (3) उपराज्यपालों की पूर्वता मुख्य मंत्रियों और मुख्य कार्यकारी पार्षद दिल्ली के ऊपर रहेगी और मुख्य मंत्रियों/कार्यकारी पार्षद की पूर्वता विधान सभाओं के अध्यक्षों और दिल्ली की महानगर परिषद् के अध्यक्ष से ऊपर रहेगी;
- (4) संघीय क्षेत्रों की सभाओं के उपाध्यक्षों और दिल्ली की महानगर परिषद् के उप सभापति अपनी पूर्वता संघीय क्षेत्रों के मंत्रियों और दिल्ली के कार्यकारी पार्षदों के बाद ग्रहण करेंगे।

(3) विद्यमान नोट 8 को नोट 9 कर दिया जाये।

अशोक मित्र,
राष्ट्रपति के सचिव

संक्षिप्त सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 11 अक्टूबर 1974

सं० 13/18/74-अ० भा० से० (II)—भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम (6) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, गुजरात के राज्य संवर्ग के भारतीय प्रशासन सेवा के सदस्य श्री टी० सी० ए० रंगदुर्गाई को पांडिचेरी औद्योगिक प्रोन्नति, विकास तथा निवेश निगम के अधीन सेवा के लिए गुजरात सरकार द्वारा उन्हें कार्यभार मुक्त किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए एतद्द्वारा अनुमोदन प्रदान करती है।

बी० रंगानाथन्,
उपसचिव।

औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्टूबर 1974

संकल्प

सं० 07011/3/72-नमक—भारत सरकार ने, इस मंत्रालय के संकल्प सं० 07011/1/70-नमक, दिनांक 9 जुलाई 1971 का अधिलेखन करते हुए, नमक की केन्द्रीय तथा प्रादेशिक मलाहकार परिषद् का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है। केन्द्रीय परिषद् का कार्य नमक उपकर अधिनियम, 1953 की धारा 3 के अधीन नमक उपकर वसूली व्यवस्था पर परामर्श देना तथा नमक उद्योग के विकास के लिए सामान्य अभ्युपायों की सिफारिश करना होगा, जैसे :—

- (1) अनुसंधान केन्द्रों, आदर्श फार्मों तथा नमक कारखानों की स्थापना तथा रख-रखाव,
- (2) नमक का ग्रेड निर्धारित करना तथा इसके गुण प्रकार में सुधार करना,
- (3) नियति सम्बंधन,

- (4) नमक उत्पादकों में सहकारी प्रयत्नों को बढ़ावा और प्रयत्साहन देना,
- (5) नमक उद्योग में लगे श्रमिकों के कल्याण कार्य को बढ़ाना,
- (6) नमक उद्योग का विकास करने से संबंधित अन्य मामले।

प्रादेशिक बोर्डों का कार्य इसी आधार पर अपने संबंधित क्षेत्रों के बारे में केन्द्रीय बोर्ड की सिफारिश करना होगा।

2. केन्द्रीय या प्रादेशिक बोर्डों का पुनर्गठन निम्न प्रकार होगा :—

क. बोर्ड केन्द्रीय सलाहकार :

अध्यक्ष :

संयुक्त सचिव, नमक प्रशासन से संबंधित, औद्योगिक विकास मंत्रालय।

सदस्य गण :

2. उप सचिव, 'नमक' प्रशासन से संबंधित, औद्योगिक विकास मंत्रालय।
3. निदेशक, केन्द्रीय नमक तथा मेरीन रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर।
4. महानिदेशक, तकनीकी विकास, औद्योगिक विकास मंत्रालय, नई दिल्ली अथवा उसका प्रतिनिधि।
- 5-7. गुजरात सरकार का एक प्रतिनिधि तथा आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तथा राजस्थान जैसे नमक बनाने वाले प्रमुख राज्य सरकारों के दो प्रतिनिधि जिन्हें बारी से केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा। आन्ध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र राज्य सरकारों से वर्तमान बोर्ड के कार्य काल तक के लिए एक एक प्रतिनिधि होंगे।
- 8-9. क्रम संख्या 5-7 में उल्लिखित राज्यों को छोड़कर शेष राज्यों के दो प्रतिनिधि बारी से केन्द्रीय सरकार द्वारा क्रमशः नामित किए जाएंगे। उत्तर प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश सरकारों से वर्तमान बोर्ड के कार्यकाल तक के लिए एक एक प्रतिनिधि होंगे।
- 10-15. केन्द्रीय सरकार द्वारा (1) तमिलनाडु (2) आन्ध्र प्रदेश (3) पश्चिम बंगाल और उड़ीसा (4) महाराष्ट्र (5) गुजरात और (6) राजस्थान राज्यों से एक एक ऐसा व्यक्ति जिन्हें केन्द्रीय सरकार के मत से इस क्षेत्र में ज्ञान तथा नमक बनाने का अनुभव हो, नामित किया जाएगा, अर्थात :
 - (1) श्री आर० बी० रमानी,
प्रबन्धक निदेशक,
मेट्रोन कैमिकल एण्ड इण्डस्ट्रियल कारपो-
रेशन लि०,

- 7-सैकण्ड लाइन बीच,
मद्रास-1।
- (2) श्री ए० सूर्यनारायण राव,
अपना हाउस,
विशाखापटनम (आन्ध्र प्रदेश)।
- (3) डा० पी० वी० जे० राव,
पाकानाटी हाउस,
बहरामपुर, उड़ीसा।
- (4) श्री ए० एच० भिवंडीवाला,
583, चीरा बाजार,
बम्बई-1।
- (5) श्री कवशजी नेशखानजी दिनशा,
यूनाइटेड साल्ट वर्क्स एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०,
काण्डला (गुजरात)।
- (6) (बाद में घोषित किया जाएगा)।
16. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक व्यापार का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा, अर्थात् :
- अध्यक्ष,
भारत चैम्बर्स आफ कामर्स,
भारत चैम्बर्स,
8, ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट,
कलकत्ता-1।
- 17-18. दो व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से सार्वजनिक मामलों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे, अर्थात् :
- (i) श्री नुरल इस्लाम,
एडवोकेट, दुबरी,
आसाम।
- (ii) (नाम की घोषणा बाद में की जाएगी)।
19. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।
- श्री एम० एस० रामचन्द्रन,
महासचिव,
टैक्सटाइल मिल्स इंजीनियरिंग वर्क्स यूनिशन,
मदुराई-1 (तमिलनाडु)।
20. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक पर आधारित रसायन उद्योग का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा, अर्थात् :
- श्री एस० के० जैन,
प्रधान,
दरभंगा कैमिकल वर्क्स लि०,
सादुपुरम, आरुमुगनेरी,
तिरुनेलवेली जिला,
(तमिल नाडु)।
21. एक व्यक्ति जिसे सरकार के मत से नमक बनाने वाली सरकारी समितियों के कार्यों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा, अर्थात् :
- श्री एम० एस० सिलवाराजन,
अध्यक्ष,
साल्ट वर्क्स कोआपरेटिव प्रोडक्शन एण्ड सेल सोसायटी लि०,
अरुमुगनेरी,
तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)।
22. नमक आयुक्त जयपुर।
- दिष्पण :—रेल मंत्रालय, परिवहन और तैयहन मंत्रालय, राज्य व्यापार निगम तथा 'निर्यात' संबंधन जो वाणिज्य मंत्रालय का एक स्कन्ध के प्रतिनिधियों को केन्द्रीय सलाहकार परिषद की बैठक में, जब आवश्यकता होगी, भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- ख : प्रादेशिक सलाहकार परिषद :
- (1) तमिलनाडु :/
- अध्यक्ष,
(1) नमक आयुक्त जयपुर।
- सदस्य गण
- (2) तमिलनाडु सरकार का एक प्रतिनिधि।
- (3)-(4) दो व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे।
- (1) श्री ए० एम० गोविन्द राजन,
सचिव,
डिस्ट्रिक्ट ट्रेड यूनिशन,
65, ईस्टराजा स्ट्रीट,
तन्जौर (तमिल नाडु)।
- (2) श्री एस० ए० मुरुगन्तम,
महासचिव,
तनबाडु उप्पुमोदै सुभाई,
तोडिलालार संघ,
तूतीकोरिन, (तमिलनाडु)।
- 5-7. तीन व्यक्ति जिन्हें सरकार के मत से इस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे, अर्थात् :
- (i) श्री सी० आई० आरमछादां,
साल्ट सेसी,
तूतीकोरिन (तमिलनाडु)।
- (ii) श्री वेणुगोपाल,
प्रबन्धक,
विमको वेदारण्यम (तमिलनाडु)।

- (iii) श्री सी० वेदाचलम,
चुनमपेट साल्ट,
फैक्टरी, चेन्नलपेट,
2-ए०, गार्डेन रोड;
किल्पादिक, मद्रास-600010,
(तमिलनाडु)।

8-9. दो व्यक्ति जिन्हें उसकी राय में सार्वजनिक मामलों का ज्ञान तथा अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किए जाएंगे। अर्थात् :

- (1) श्री एस० रामालिंगम,
एम० एल० ए०,
तृतीकोरिन।
(2) (नाम की घोषणा बाद में की जाएगी)।

10. एक व्यक्ति जिसे सरकार की राय में नमक उत्पादक सहकारी समितियों का ज्ञान तथा इस क्षेत्र में अनुभव हो, केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा। अर्थात् :

- (i) श्री बी० कुपुस्वामी,
प्रधान,
चेयूर फैक्टरी साल्ट मैन्यूफैक्चरिंग एण्ड
मार्केटिंग सेल्स को सो०,
चेयूर (तमिलनाडु)।

- (ii) सक्षम सचिव
उप नमक आयुक्त, मद्रास।

(2) आन्ध्र प्रदेश :

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त, जयपुर।

सक्षम

2. आन्ध्र प्रदेश सरकार का एक प्रतिनिधि।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा दो ऐसे व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें, उसकी राय में, श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव प्राप्त है।

- (1) श्री मोदाली सत्यम,
सचिव,
इन्टक यूनियन एण्ड टाउन कांग्रेस,
विजयानगरम।
(2) श्री डी० एस० रेड्डी,
अध्यक्ष,
नौपाड़ा साल्ट सरकल साल्ट वर्क्स यूनियन,
नौपाड़ा (श्री काकुलम जिला)
(आन्ध्र प्रदेश)।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा दो ऐसे व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें इस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, अर्थात् :

- (1) श्री ए० सूर्यनारायणन मूर्ति,
अप्पना हाउस,
विशाखापत्तनम,
(आन्ध्र प्रदेश)।

- (2) श्री के० एस० दत्ता,
लेसी, गुरुजनपल्ली फैक्टरी,
वाया काकीनाडार,
(आन्ध्र प्रदेश)।

7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें सार्वजनिक मामलों को जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात् :

- (1) (नाम बाद में घोषित किया जाएगा)।
(2) (नाम बाद में घोषित किया जाएगा)।

सक्षम सचिव

10. नमक उपायुक्त, मद्रास।

(3). पश्चिमी बंगाल :

अध्यक्ष

- (1) नमक आयुक्त, जयपुर।

सक्षम

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा एक ऐसे व्यक्ति को नामजद किया जाएगा जो उसकी राय में नमक उत्पादक सहकारी समितियों का ज्ञान और उस क्षेत्र में अनुभव रखता हो। अर्थात् :

- श्री बी० शिवारेड्डी,
अध्यक्ष,
पाकला श्री रामलिङ्गेश्वर,
साल्ट वर्क्स प्रोडक्शन एण्ड सेल्स सोसाइटी,
पाकला, (आन्ध्र प्रदेश)।

सक्षम

1-2. पश्चिमी बंगाल सरकार का एक प्रतिनिधि।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना, जिन्हें उसकी राय में, श्रमिक समस्याओं का ज्ञान और अनुभव हो :

- (1) श्री समर चक्रवर्ती
श्रमिक भवन,
177/बी०, आचार्य जगदीश बोस रोड,
कलकत्ता-14।

- (2) (नाम की बाद में घोषणा की जाएगी)

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद किया जाना जिन्हें, उसकी राय में, क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो,

- (1) श्री दीपक मण्डल,
ग्रेट बंगाल साल्ट कम्पनी,
कन्टाई (पश्चिम बंगाल)।

- (2) श्री समरेन्द्र दत्ता,
अधीक्षक,
दी बंगाल साल्ट कम्पनी लि०,
पी० श्री० दादन पतंगवर,
बाया कन्टाई,
जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)।

7-8. दो व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा नामजद किए जाते हैं जिन्हें सरकार के मत से सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात् : (नामों की बाद में घोषणा की जाएगी)।

9. एक ऐसे व्यक्ति का जिसे सरकार के मत में नमक उत्पादन सहकारी समितियों के क्षेत्र का ज्ञान और अनुभव प्राप्त हो नामित किया जाना अर्थात् :

पश्चिम बंगाल सरकार के सहकारिता विभाग से एक प्रतिनिधि।

सबस्य सचिव :

10. नमक सहायक आयुक्त, कलकत्ता।

(4) उड़ीसा :

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त, जयपुर।

सबस्य

2. उड़ीसा सरकार का एक प्रतिनिधि

3-4. दो ऐसे व्यक्तियों को केन्द्रीय सरकार नामजद करेगी जिन्हें सरकार के बल से श्रमिक समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो :

- (1) श्री के० एन० पाठक,
संयुक्त सचिव,
गंगापुर लेबर यूनियन,
पी० श्री० वीरमित्रपुर,
एस० ई० रेलवे जिला सुन्दरगढ़
(उड़ीसा)।

(2) (नाम की बाद में घोषणा की जाएगी)।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव प्राप्त हो / अर्थात् :

- (1) श्री बी० सीतारमैया,
सलाहकार,
हुयुमा, साल्ट प्रोडक्शन सेल्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लि०,
गंजम (उड़ीसा)।
- (2) श्री डी० एन० मोदी,
प्रधान,
उड़ीसा साल्ट मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन,
नई सड़क,
पी० श्री० कटक (उड़ीसा)।

7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा ऐसे दो व्यक्तियों को नामजद करना जिन्हें उनके विचार से सार्वजनिक मामलों की जानकारी तथा अनुभव हो, अर्थात् :

(नामों की बाद में घोषणा की जाएगी)

9. एक ऐसे व्यक्ति जिसे सरकार की राय में नमक उत्पादन सहकारी समितियों के क्षेत्र में नमक उत्पादन का ज्ञान और अनुभव प्राप्त हो केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किया जाएगा :

अध्यक्ष,

एस्ट्रोंग साल्ट प्रोडक्शन एण्ड सेल्स कोऑपरेटिव सोसाइटी लि०,

पी० श्री० एस्ट्रोंग, जिला पूरी (उड़ीसा)।

10. सबस्य सचिव :

सहायक नमक आयुक्त, कलकत्ता।

(5)

महाराष्ट्र :

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त, जयपुर।

सबस्य

2. महाराष्ट्र सरकार का एक प्रतिनिधि।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्तियों जिन्हें उनकी राय में मजदूर समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

- (1) श्री एस० जी० कर्णिक,
20/306, सिद्धार्थ नगर,
गोरेगांव (पश्चिम),
बम्बई 60।

- (2) श्री बी० जी० निमकार,
सचिव,
राष्ट्रीय कैमिकल कामगार संघ,
अंबरनाथ (जिला थाना)।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

- (1) श्री बी० एम० गोगटे,
द्वारा गोगटे साल्ट एण्ड कैमिकल्स,
126, बेकेवे रिकनेमेशन,
बम्बई।

- (2) श्री नादिरशाह पी० मथानिया,
मान्डुप साल्ट वर्क्स,
मान्डुप (बम्बई)।

7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में सार्वजनिक कार्यों का ज्ञान तथा अनुभव हो :

(नामों की घोषणा बाद में की जाएगी)

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित एक व्यक्ति जिसे उनकी राय में उस क्षेत्र की नमक बनाने वाली सहकारी सोसाइटियों का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

श्री एम० आई० मेन्जीज,
कार्यकारी समिति का सदस्य,
सर्वोदय एदवासी एम० यु० एस० एस०
लि०,
बसई (महाराष्ट्र) ।

10. निदेशक (उद्योग),
गोआ, दमन तथा दिव सरकार
पणजी
सदस्य सचिव :

11. उपनमक आयुक्त, बम्बई ।

(6) गुजरात :

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त, जयपुर ।

सदस्य

2. गुजरात सरकार का एक प्रतिनिधि ।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में मजदूर समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

(1) श्री रणछोड़भाई जी पटेल,
सचिव,

मजदूर महाजन संघ,
महात्मा गांधी रोड,
कलोल (गुजरात) ।

(2) श्री आई० ए० उसमानी,
महासचिव,
गुजरात रिफाइनरी कामगार संघ,
6/5, सदरन टाउनशिप,
जवाला नगर,
जिला बड़ौदा (गुजरात) ।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

(1) श्री भारत कामदार,
निदेशक,
दिगिकाय सिंह जी,
साल्ट वर्क्स,
जामनगर (गुजरात) ।

(2) श्री जे० एम० पण्ड्या,
निदेशक,
डूंगरसी साल्ट वर्क्स,
कच्छ (गुजरात) ।

7-8. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में सार्वजनिक कार्यों का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

(नामों की घोषणा बाद में की जाएगी) ।

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित व्यक्ति जिसे उसकी राय में उस क्षेत्र की नमक बनाने वाली सहकारी सोसाइटियों का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :—

श्री वीजू भाई मेहता,
अध्यक्ष,
गुजरात राज्य मिथ उत्पादक सहकारी
संघ लि०,
सुरेन्द्रनगर (गुजरात) ।

10. निदेशक (उद्योग) ।

गोवा, दमन तथा दिव सरकार ।
पणजी ।

सदस्य सचिव :

11. उपनमक आयुक्त, बम्बई ।

(7) राजस्थान :

अध्यक्ष

1. नमक आयुक्त, जयपुर ।

सदस्य

2. राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधि ।

3-4. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में मजदूर समस्याओं का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

श्री नारायण वर्मा,
पुराना जम्बर खाना,
सांभर सैक (राजस्थान) ।

(2) श्री गोपी राम तंतुदवाल,
गजपुरा ब्हाया फुलैरा,
जिला जयपुर (राजस्थान) ।

5-6. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में उस क्षेत्र में नमक बनाने का ज्ञान तथा अनुभव हो, यथा :

(1) वक्से मैनेजर,
सांभर साल्ट्स लि०,
सांभर (राजस्थान) ।

(2) अध्यक्ष,
फलोदी साल्ट मैन्जफैक्चरिंग एमोसिएशन,
फलोदी (राजस्थान) ।

7.8. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित दो व्यक्ति जिन्हें उनकी राय में, सार्वजनिक कार्यों का ज्ञान तथा अनुभव हो; यथा :—

(1) श्री पी० एन० काटजू,
मालवीय मार्ग, 'सी' स्कीम जयपुर ।

(2) (नाम की घोषणा बाद में की जायेगी)

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित एक व्यक्ति जिसे उनकी राय में उस क्षेत्र की नमक बनाने वाली सहकारी सोसाइटियों का ज्ञान तथा अनुभव हो; यथा :—

राजस्थान के सहकारी विभाग से राजस्थान सरकार का एक प्रतिनिधि ।

सदस्य सचिव :

10. उप नमक आयुक्त, (मुख्यालय) जयपुर ।

3(क) केन्द्रीय और क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों का कार्यालय इनके गठन की तारीख से 2 वर्ष का होगा ।

(ख) बोर्ड में यदि गैर-सरकारी स्थान रिक्त होता है तो केन्द्रीय सरकार रिक्त स्थान को भरने के लिए नया नामांकन करेगी । इस प्रकार नामित व्यक्ति बोर्ड की शेष अवधि के लिए पदभार संभाल लेगी ।

(ग) यदि मनोनीत व्यक्ति बैठक में उपस्थित होने में असमर्थ है तो वह यथा स्थिति केन्द्रीय या क्षेत्रीय बोर्ड के, जैसी चेयरमैन को लिखित रूप में इस बात की सूचना देगा ।

(घ) केन्द्रीय बोर्ड की बैठक के लिए 7 और क्षेत्रीय बोर्डों की बैठक के लिए 3 की गणपूर्ति होगी ।

(ङ) प्रत्येक गैर-सरकारी सदस्य जो केन्द्रीय या क्षेत्रीय बोर्ड या बोर्ड की सिफारिश पर विधिवत गठित उपसमिति की बैठक में भाग लेगा, नियमाधीन स्वीकार्य या भारत सरकार द्वारा समय समय पर स्वीकृत यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा ।

यात्रा और दैनिक भत्तों के मामले में केन्द्रीय और क्षेत्रीय सलाहकार बोर्डों के गैर सरकारी सदस्यों के बिलों पर प्रतिहस्ताक्षर करने के लिए निम्नलिखित अधिकारी नियंत्रण अधिकारी होंगे :—

क्रम संख्या	नामक के लिए सलाहकार बोर्ड का नाम	नियंत्रण अधिकारी
1.	नमक की केन्द्रीय सलाहकार परिषद्	नामक आयुक्त, जयपुर
2.	तमिलनाडु क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक उप आयुक्त, मद्रास
3.	आंध्रप्रदेश की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक उपायुक्त, मद्रास
4.	पश्चिम बंगाल और उड़ीसा की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक सहायक आयुक्त, कलकत्ता
5.	उड़ीसा की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक सहायक आयुक्त, कलकत्ता
6.	महाराष्ट्र की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक उप आयुक्त, बम्बई
7.	गुजरात की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक उप आयुक्त, बम्बई
8.	राजस्थान की क्षेत्रीय नमक सलाहकार परिषद्	नमक उप आयुक्त, जयपुर

क्षेत्रीय बोर्डों के सभी सदस्य, जो संसद के सदस्य हैं, केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड की बैठकों में भाग ले सकते हैं और किसी विशिष्ट क्षेत्र से केन्द्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य जिनको नमक उत्पादन का ज्ञान और अनुभव है, उस क्षेत्र की क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग ले सकते हैं ।

(च) गैर सरकारी सदस्य केन्द्रीय या क्षेत्रीय सलाहकार बोर्ड, जैसी भी स्थिति हो, के चेयरमैन को पत्र लिखकर अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है ।

(छ) यदि गैर-सरकारी सदस्य भारत छोड़ता है तो वह भारत छोड़ने से पूर्व संबंधित बोर्ड के चेयरमैन को अपने प्रस्थान की तारीख और भारत को वापिस आने की संभावित तारीख के संबंध में सूचित करेगी, और यदि उसका 6 महीने से अधिक अवधि के लिए भारत से अनुपस्थित रहने का इरादा हो तो वह अपना त्यागपत्र देगा । यदि कोई सदस्य उपयुक्त का पालन किए बिना भारत से बाहर जाता है तो यह समझा जायेगा कि उसने भारत से प्रस्थान की तारीख से त्यागपत्र दे दिया है ।

(ज) निम्नलिखित स्थिति में अध्यक्ष सदस्य के पद रिक्त करने की घोषणा करेगा :—

- (1) यदि वह दिवालिया हो जाता है, या
- (2) यदि वह किसी अपराध के लिए दण्डित किया जाता है जो केन्द्रीय सरकार के विचार में आचरण भ्रष्टता का काम है, या
- (3) यदि वह बोर्ड के चेयरमैन से अनुपस्थित की छुट्टी लिए बिना बोर्ड की लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहता है, या
- (4) यदि, केन्द्रीय सरकार की राय में, उसका बोर्ड का सदस्य बना रहना अवांछनीय है ।

(झ) बोर्डों के सचिव, केन्द्रीय बोर्ड के चेयरमैन की स्वीकृति से अन्य बोर्डों के एक या एक से अधिक गैर सरकारी सदस्यों को या अन्य व्यक्तियों को बोर्ड की किसी भी बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं, और ऐसा सदस्य या व्यक्ति धारा (ङ) के अधीन उल्लिखित यात्रा भत्ता आदि का हकदार होगा ।

(ञ) चेयरमैन द्वारा निर्धारित स्थान और समय पर बोर्ड की बैठक होगी ।

(ट) भारत में उपस्थित प्रत्येक सदस्य को प्रत्येक साधारण बैठक के लिए बैठक होने से कम से कम 15 दिन पहले समय और स्थान के बारे में सूचना दी जायेगी और प्रत्येक सदस्य को उस बैठक में निपटायें जाने वाले कार्य की सूची दी जायेगी ;

विहित है कि चेयरमैन द्वारा बुलाई गई आपात बैठक में इस प्रकार की सूचना आवश्यक नहीं होगी ।

(ठ) किसी भी कार्य पर, जो कार्य सूची में नहीं है, बिना संबंधित बोर्ड के चेयरमैन की पूर्वानुमति में विचार नहीं किया जायेगा ।

(ड) चेयरमैन जिस बोर्ड की बैठक में उपस्थित है, उसकी अध्यक्षता करेगा । यदि चेयरमैन किसी बैठक में अनुपस्थित नहीं है तो उपस्थित सदस्य अपने में से किसी एक को सभा की अध्यक्षता

करने के लिए चुनेंगे और इस सभा में ऐसा चुना हुआ सदस्य चेयरमैन की सभी शक्तियों का प्रयोग करेगा।

(घ) बोर्ड की बैठक में प्रत्येक प्रश्न पर निर्णय उपस्थित और उस प्रश्न पर मत देने वाले सदस्यों के बहुमत से किया जाएगा, मतों के बराबर होने पर चेयरमैन एक अतिरिक्त मत देगा।

(ण) बोर्ड की प्रत्येक बैठक की कार्यवाही भारत में उपस्थित सभी सदस्यों को परिचित की जायेगी और तत्पश्चात् कार्यवृत्त पुस्तक में लिखी जायेगी, जो स्थायी अभिलेख के लिए रखी जायेगी।

प्रत्येक बैठक की कार्यवाही के अभिलेख पर बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर होंगे।

(त) किसी क्षेत्र में उपकर से व्यय किए जाने वाले व्यय प्रस्तावों पर पहले क्षेत्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा इसके लिए प्रस्ताव का व्यौरा सहित प्रारंभिक आंकलन और अन्य आवश्यक आंकड़ों सहित इसकी अनुमानित लागत क्षेत्र अधिकांशियों द्वारा तैयार की जायेगी। क्षेत्रीय बोर्ड की सिफारिश सहित प्रस्तावों तब केन्द्रीय बोर्ड द्वारा विचार किया जायेगा।

दस हजार रुपए तक का प्रत्येक विकासात्मक कार्य और श्रमिक कल्याण कार्य केन्द्रीय बोर्ड की अन्तिम सिफारिशों को लिए भेजे बिना ही क्षेत्रीय बोर्डों द्वारा स्वीकार किया जा सकेगा।

(थ) केन्द्रीय बोर्ड की सिफारिशों स्वीकृति के लिए केन्द्रीय सरकार को भेजी जायेगी, उसके बाद विस्तृत अनुमान तैयार किए जायेंगे। अनुमान सक्षमप्राधिकारी द्वारा स्वीकृत होंगे।

(द) केन्द्रीय बोर्ड या किसी अन्य क्षेत्रीय बोर्ड के कार्य या कार्यवाही को किसी स्थिति के होने पर या केन्द्रीय बोर्ड या अन्य क्षेत्रीय बोर्डों के गठन में त्रुटि को आधार बना कर जैसी भी स्थिति हो चुनौती नहीं दी जायेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को सभी राज्य सरकारों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, योजना आयोग, मंत्रिमंडल सचिवालय और प्रधानमंत्री सचिवालय को भेज दिया जाये।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को भारत के राजपत्र के भाग I खण्ड 1 में प्रकाशित किया जाये।

आर० रामानुजम्, अवर सचिव

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 अक्टूबर, 1974

सं० 10-3/74-फेट—कृषि मंत्रालय के 8 नवम्बर, 1948 के संकल्प सं० 16-72/47-पालिसी द्वारा गठित और 9 सितम्बर, 1966 के प्रस्ताव संख्या 10-1/65-फेट द्वारा पुनर्गठित तथा अद्यतन संशोधित राष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन विषयक सम्पर्क समिति पर फेडरेशन आफ इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री तथा कृषक फोरम के सदस्यों के कार्य काल की समाप्ति पर निम्नलिखित व्यक्तियों को फेडरेशन आफ इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स एण्ड इन्डस्ट्री और कृषक फोरम के प्रतिनिधि के तौर

पर क्रमशः 1-9-1974 और 1-10-1974 से तीन वर्ष की अवधि के लिए समिति का सदस्य नामित किया गया है :—

- | | |
|-------------------------|--------------------------------------|
| 1. प्रो० एम० पी० गांधी | फेडरेशन आफ इंडियन चैम्बर्स आफ कामर्स |
| मना भाई मैशन, | एण्ड इन्डस्ट्री के प्रति- |
| पी० मेहता रोड, | निधि। |
| बम्बई-400001 | |
| 2. डा० डी० ए० भोले, | कृषक फोरम के प्रति- |
| ए-1, निजामुद्दीन बैस्ट, | निधि। |
| नई दिल्ली। | |

आर० टी० थडानी, अवर सचिव

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर, 1974

सं० फा० 12-8/71-एस०पी० II (वाई० एस० I-3)—शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय को समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 18 दिसम्बर, 1973 के क्रम में श्री एम० एस० पालनीलकर, सचिव, समाज कल्याण सांस्कृतिक कार्य, खेल और पर्यटन विभाग, महाराष्ट्र सरकार, को एतद्वारा मेजर आर० जी० सालवी के स्थान पर, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा व खेलकूद संस्थान के लिए समिति के अधिशासी मंडल के सदस्य के रूप में नामित किये जाने हैं।

श्री एम० एस० पालनीलकर, 23 अप्रैल, 1975 तक मंडल में कार्य करेंगे।

एन० एम० टेगोर, उप-शिक्षा सलाहकार

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 9 नवम्बर 1974

नियम

सं० 74-ई० (जी० आर०) 1-20/3—यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी अप्रतिष्ठों के रूप में नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1975 में ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं।

2. परीक्षा-परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग द्वारा जारी की जाने वाली सूचना में किया जाएगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जाएगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय है कोई भी ऐसी जाति/जन जाति जिसका उल्लेख संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (भाग 2 के राज्य) आदेश 1951, संविधान (अनुसूचित जन

जाति) आदेश, 1950 और बम्बई पुनर्गठन अधिनियम 1960 और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 के साथ पठित अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति सूची (संशोधन) आदेश 1956 द्वारा यथा संशोधित संविधान (अनुसूचित जन जाति) (भाग ग के राज्य) आदेश, 1951 और संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962 संविधान (पाण्डिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दामन और दीव) अनुसूचित जाति आदेश, 1968 और संविधान नागा-लैण्ड) अनुसूचित जाति आदेश, 1970 में किया गया है।

3. इन नियमों के अन्तर्गत परीक्षा आयोग द्वारा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा-स्थल तथा परीक्षा की तारीखें आयोग द्वारा नियत की जाएगी।

4. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह या तो—

- (क) भारत का नागरिक हो, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा हो, या
- (ग) नेपाल की प्रजा हो, या
- (घ) भूटान की प्रजा हो, या
- (ङ) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थाई रूप से बसने के इरादे से, पहली जनवरी 19८2 से पहले भारत आया हो, या
- (ध) वह व्यक्ति जो मूलतः भारतीय हो और भारत में स्थाई रूप से बसने के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्री लंका और पूर्वी अफ्रीका के कैम्या, उगान्डा तथा तंजानिया के संयुक्त गणराज्य के (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) देशों से प्रव्रजन करके भारत आया हो; परन्तु उपर्युक्त वर्ग (ग), (घ) (ङ) और (ध) का उम्मीदवार वह होगा जिसे भारत सरकार द्वारा पात्रता प्रमाण-पत्र दिया गया हो।

ऐसा उम्मीदवार जिसके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, को परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी जाएगी तथा उसे अस्थायी रूप से नियुक्त भी कर दिया जाएगा बशर्त कि उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दे दिया जाए।

5. (क) उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1975 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 19 वर्ष न हुई हो अर्थात् वह जनवरी 2, 1956 से पहले और 1 जनवरी 1959 के बाद पैदा न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित छूट दी जा सकेगी :—

- (i) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो, तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक।
- (ii) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ सदाशयी विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पहले प्रव्रजन करके भारत आया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली तीन परीक्षाओं में बैठ चुका हो ;
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही पूर्वी पाकिस्तान से आया हुआ सदाशयी विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च 1971 से पहले प्रव्रजन करके भारत आया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार के लिए स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली आठ परीक्षाओं में बैठ चुका हो ;
- (iv) यदि उम्मीदवार पाण्डिचेरी के संघ क्षेत्र का निवासी हो और उसने किसी समय फ्रांसीसी भाषा के माध्यम से शिक्षा पाई हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का, श्रीलंका से आया हुआ सदाशयी प्रत्यावर्ती हो और अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या इसके बाद प्रव्रजन करके भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार के लिए स्वीकार्य नहीं होगी, जो ऐसी तीन परीक्षाओं में बैठ चुका हो ;
- (vi) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो साथ ही भारतीय मूल का श्रीलंका से आया हुआ सदाशयी प्रत्यावर्ती हो तथा अक्टूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 के या उसके बाद प्रव्रजन करके भारत आया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार के लिए स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली आठ परीक्षाओं में बैठ चुका हो।
- (vii) यदि उम्मीदवार गोआ, दमन और दीव संघ क्षेत्र का निवासी हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का हो और कैन्या, उगान्डा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तांगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन करके भारत आया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(ix) यदि उम्मीदवार भारतीय मूल का बर्मा से आया हुआ सदाशयी प्रत्यावर्ती हो और 1 जून 1963 को या इसके बाद प्रव्रजन करके भारत आया हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली तीन परीक्षाओं में बैठ चुका हो।

(x) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही भारतीय मूल का बर्मा से आया हुआ सदाशयी प्रत्यावर्ती हो तथा 1 जून 1963 को या इसके बाद प्रव्रजन करके भारत आया हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली आठ परीक्षाओं में बैठ चुका हो;

(xi) किसी अन्य देश के साथ युद्ध के दौरान उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सैनिक कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली तीन परीक्षाओं में बैठ चुका हो;

(xii) किसी अन्य देश के साथ युद्ध के दौरान उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के सैनिक कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक। लेकिन यह रियायत किसी ऐसे उम्मीदवार को स्वीकार्य नहीं होगी जो ऐसी पिछली आठ परीक्षाओं में बैठ चुका हो;

(xiii) 1971 के हिन्द-पाक युद्ध के दौरान उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक; और

(xiv) 1971 के हिन्द-पाक युद्ध के दौरान उपद्रवग्रस्त क्षेत्र में अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप मुक्त हुए सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

उपर्युक्त उपबन्धों के अतिरिक्त किसी भी हालत में निर्धारित आयु-सीमा में छूट नहीं दी जाएगी।

6. उम्मीदवार ने —

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्व-विद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष

परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

जिन स्नातकों ने डिग्री परीक्षा में गणित और भौतिकी और रसायन विज्ञान विषयों में से कम से कम एक विषय लिया हो, वे भी आवेदन-पत्र भेज सकते हैं; या

(ख) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मद्रास विश्वविद्यालय (शाम के कालेज) के स्नातक कला/विज्ञान के चार वर्षीय पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रोन्नति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो। जिस में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो अथवा कम से कम पांच क्रेडिट सहित जिन में गणित में प्राप्त क्रेडिटों के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान विषयों में से किसी एक में प्राप्त क्रेडिट भी शामिल है कैम्ब्रिज स्कूल सर्टिफिकेट/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से किसी एक विषय के साथ पास की हो, आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम और द्वितीय वर्ष की परीक्षा किसी विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(ग) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्व-विद्यालय की पूर्व-इंजीनियरी परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(घ) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या मान्यता प्राप्त बोर्ड की पूर्व व्यावसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष बाद ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो, या

(ङ) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक

परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो या कम से कम पांच क्रेडिट सहित जिन में गणित में प्राप्त क्रेडिट के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से किसी एक में प्राप्त क्रेडिट भी शामिल है कैम्ब्रिज स्कूल सर्टिफिकेट/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट प्राप्त किया हो।

जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी डिग्री पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, वे भी आवेदन-पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो, या केरल और कालीकट के विश्वविद्यालय से गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर पूर्व-स्नातक परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो।

नोट 1 :—जिन उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इंटरमीडिएट या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट श्रेणी न दी गई हो, उन्हें भी शैक्षिक दृष्टि से पात्र समझा जाएगा लेकिन शर्त यह है कि उनके प्राप्तांकों का कुल योग सम्बन्धित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी के अंकों की सीमा में हो।

नोट 2 :—कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से यह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाफल की सूचना उसे नहीं मिली है, इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है। यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र दे सकता है, लेकिन शर्त यह है कि अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से पहले समाप्त हो जाए। ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जाएगा, लेकिन उनके प्रवेश को अनन्तिम समझा जाएगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में इस परीक्षा के प्रारम्भ होने से दो महीने के भीतर पेश नहीं करता, तो उसके प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा।

नोट 3 :—अपवादिक मामलों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक दृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हता हों, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग की सूचना के अनुबन्ध 1 में विनिर्दिष्ट फीम दे।

8. सरकारी सेवा में स्थाई या अस्थायी अथवा नैमित्तिक या दिहाड़ी पर कार्य करने वाले कर्मचारियों को छोड़ कर कार्य प्रभारी कर्मचारियों की हैसियत से काम करने वाले उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह परीक्षा में बैठने के लिए अपने विभागाध्यक्ष से पूर्वानुमति प्राप्त करे।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा।

11. जो उम्मीदवार :—

(i) किसी भी साधन द्वारा अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करने, या

(ii) प्रतिस्पर्ण करने, या

(iii) किसी व्यक्ति से प्रतिस्पर्ण कराने, या

(iv) जाली दस्तावेज या बिगाड़े हुए दस्तावेज पेश करने, या

(v) गलत या झूठा बयान देने, या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाने, या

(vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित साधन का सहारा लेने, या

(vii) परीक्षा-भवन में अनुचित साधनों का प्रयोग करने, या

(viii) परीक्षा-भवन में दुर्व्यवहार करने, या

(ix) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित किसी या सभी कार्यों को करने की चेष्टा करने या आयोग को उसके/ उनके लिए दुप्रेरित करने का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो, उसके विश्व आपराधिक अभियोग चलाए जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है :—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए, जिसका वह उम्मीदवार है, निरहित घोषित किया जा सकता है ; या

(ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निम्नलिखित से विवर्जित किया जा सकता है :—

(i) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या चयन से ;

(ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन नियोजन से ; और

(ग) यदि यह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपयुक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, उनसे न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविधिक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग व्यक्तिगत परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनाएगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अंक समझे उतनी अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जाएगी जितनी परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियां सामान्य स्तर के आधार पर भरने से रह जाएं, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिथिल करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है भले ही परीक्षा में योग्यता क्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बशर्त वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल किस रूप में और किस ढंग से भेजा जाए, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15 परीक्षा में मफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाद इस बात से सन्तुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

16 उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके कारण सेवा में अधिकारी के नाते उसके कर्तव्य पालन में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। जो उम्मीदवार ऐसी डाक्टरी परीक्षा के बाद जैसी कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी, जैसी स्थिति हो, विनि. दिष्ट करे उन आवश्यक बातों को पूरा नहीं करता, उसे

नियुक्त नहीं किया जाएगा। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा ली जाएगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विचार होने की सम्भावना है। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवारों को सम्बन्धित चिकित्सा मण्डल को 16 रुपए फीस देनी होगी।

नोट :—उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, उसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा लें। नियुक्ति में पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और उस में उन से किस स्तर की अपेक्षा की जाएगी, इसका व्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट ii में दिया गया है। अपाहि्त भूत-पूर्व सैनिक कर्मचारियों के सम्बन्ध में, प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, इन स्तरों में छूट दी जाएगी।

17. कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने का संविदा किया हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने का संविदा किया हो,

सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्त्रीय विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है, और ऐसा करने के अन्य कारण हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी अप्रैण्टिसों के लिए अप्रैण्टिसी की शर्तें परिशिष्ट III में दी गई हैं। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा से सम्बन्धित संक्षिप्त विवरण भी परिशिष्ट (I) में दिए गए हैं।

अमृत लाल गुप्ता, मन्त्रि रेलवे बोर्ड।

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 31st October 1974

No. 102-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Mizoram Police :—

Name and rank of the officer

Shri Pranab Kumar Deb Kanungo,
Sub-Inspector of Police,
Mizoram Special Branch,
Mizoram.

Statement of Services for which the decoration has been awarded.

On the 10th March, 1974, when Lt. Governor of Mizoram was returning to Aizawl after a tour of Kawanpui and Hortoki,

the Governor's party was ambushed by the hostiles. Shri Pranab Kumar Deb Kanungo was on security duty with the Lt. Governor. Though he received multiple bullet injuries on his left elbow joint and a bullet injury on the right forearm, yet he kept cool and effectively answered the attack.

In the encounter with the hostiles Shri Pranab Kumar Deb Kanungo exhibited exemplary courage and devotion to duty in the face of grave personal risk.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 10th March, 1974.

No. 103-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the West Bengal Police :—

Name and Rank of the Officer

Shri Surendra Kumar Pal,
Sub-Inspector of Police,
District Intelligence Branch,
24-Parganas,
Calcutta, West Bengal.

(Officiating)

Shri Ranjit Deb,

Constable No. 4754,
24-Parganas,
Calcutta, West Bengal.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

Shri Surendra Kumar Pal was a member of the Police party which was detailed on 11th September, 1971 to search a house at Chanditala. The house was used as headquarters by the local committee of extremists. The police party was divided into three groups. Two parties remained behind to guard the escape routes on the rear of the house and the third party led by Shri Surendra Kumar Pal attempted to enter the house from the front. As soon as the extremists, inside the house sighted the police party, they started firing from pipe guns and rifles and also hurled grenades and bombs causing serious injury to the Sub-Inspector Pal and Constable Basudeb Saha. Due to the vantage position occupied by the extremists, the police party was in a precarious situation. At this juncture incurring great personal risk Shri Pal climbed the boundary wall and landed on the other side. When an extremist who sighted him attempted to fire, the gallant Sub-Inspector, fired five rounds from his revolver as a result of which the extremist got injured and succumbed to his injuries subsequently. The remaining extremists fled away leaving behind large quantity of arms, ammunition and explosives.

In this encounter with the extremists Shri Surendra Kumar Pal displayed exemplary courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 11th September, 1971.

No. 104-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Haryana Police :—

Name and rank of the officer

Shri Chandu Lal,
Sub-Inspector of Police
Rohtak District,
Haryana.

Statement of services for which the decoration has been awarded.

On the 19th/20th February, 1973 some miscreants carrying firearms way-laid 8 trucks and a car near village Nuna Majra on Bahadurgarh Jhajjar Road and looted the occupants of these vehicles. One of the truck drivers was, however, able to slip away from the scene of occurrence and lodged a report with the police. On receiving the report, Sub-Inspector Chandu Lal accompanied by his men rushed to the scene, of the crime. As the police party was approaching the scene, they spotted five men coming out of a sugar-cane field. These persons were identified as the culprits who had looted the truck drivers. On being challenged by the police party, the criminals opened fire which was promptly returned by the police. In the encounter two dacoits were killed and the other three were arrested. Two pistols, 18 empties and live cartridges were recovered along with the looted property.

In this encounter with the dacoits Sub-Inspector Chandu Lal exhibited conspicuous gallantry and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 20th February, 1973.

No. 105-Pres./74.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the West Bengal Police :—

Names and ranks of the officers

Shri Gajadhar Pandey,
Constable No. 3740,
24-Parganas,
Calcutta, West Bengal.

On the 27th November, 1973, Constables S/Shri Gajadhar Pandey and Ranjit Deb were on traffic duty on B. T. Road, when they were suddenly attacked by the extremists with bhojoli, daggers, bayonets and iron rods. The miscreants caught hold of constable Ranjit Deb and struck him on the head and the neck. They also tried to snatch away the revolver from him. Seeing his beleaguered colleague, another constable came to the rescue of Shri Deb. In the meantime, though grievously injured, Constable Ranjit Deb got up from the ground and fired two rounds at the miscreants from his revolver and then grabbed a bayonet from a miscreant who was attempting to stab him however, he fell down due to injuries and exhaustion. At this critical juncture, Constable Gajadhar Pandey took up the revolver from Shri Deb's hand and fired at the miscreants. As a result of the firing one miscreant died on the spot and another succumbed to his injuries subsequently. Both the Constables Shri Gajadhar Pandey and Shri Ranjit Deb had to undergo prolonged treatment in the hospital.

In the encounter with the extremists Shri Gajadhar Pandey and Shri Ranjit Deb exhibited exemplary courage and devotion to duty at great risk to their lives.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 27th November, 1973.

No. 106-Pres./74.—The following amendments approved by the President to the Table of Precedence published in this Secretariat Notification No. 16-Pres./73, dated the 18th March, 1973 are notified for general information :—

(1) In Article 27, below the entry relating to Additional Secretaries to the Government of India and above the entry relating to Advocate-Generals of States. Add "Additional Solicitor General".

(2) For Note 7 below the Table, substitute the following notes :—

"Note 7—In Article 25, Secretaries in the Ministry of External Affairs other than the Foreign Secretary between themselves, will take precedence in the order of their seniority in Grade I of the Indian Foreign Service and both of them will take precedence after the Foreign Secretary.
Note 8—In Article 27—

(i) Additional Secretaries in the Ministry of External Affairs, among themselves, will take precedence in the order of their seniority in Grade II of the Indian Foreign Service;

(ii) Additional Solicitor General will take precedence above the Advocate Generals of States;

(iii) Lieutenant Governors will take precedence over the Chief Ministers and Chief Executive Councillor, Delhi and latter will take precedence over Speakers of Legislative Assemblies and Chairman, Metropolitan Council, Delhi;

(iv) Deputy Speakers of Legislative Assemblies of Union territories and Deputy Chairman of Delhi Metropolitan Council will take precedence after Ministers of Union territories and Executive Councillors, Delhi.

(3) Renumber the existing Note 8 as Note 9.

A. MITRA, Secy. to the President

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

New Delhi-110001, the 19th October 1974

CORRIGENDUM

No. 5/25/74-C.S.(I).—In the Department of Personnel and Administrative Reforms Notification No. 5/25/74-CS (I), dated the 22nd June 1974, published in Part I Section I of the Gazette of India, dated the 22nd June 1974, the following corrections shall be carried out :—

Sl. No.	Reference	Corrections to be made
1.	Page 605, col. 1, 2nd sub-rule of rule 2, line 5-6.	The words 'Scheduled Tribes (Part C States)' may be substituted for the words '(Scheduled Tribes) (Part C States)'.
2.	Page 605, col. 1, 2nd sub-rule of rule 2, lines 10-11.	The word 'Constitution' may be substituted for the word 'Constitution'.
3.	Page 606, Col. 1, 2nd sub-rule of Note 1, under rule 4, line 2.	The words 'appointed to an' may be substituted for the words 'appointed on an'.
4.	Page 606, col. 2, rule 8, line 1.	The word 'prescribed' may be substituted for the word 'prescribed'.
5.	Page 607, col. 2, rule 6, line 1.	The word 'discretion' may be substituted for the word 'discretion'.

K. B. NAIR, Under Secy.

New Delhi-110001, the 11th October 1974

No. 13/18/74-AIS(II).—In pursuance of Rule 6 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government hereby gives its concurrence to the deputation of Shri T. C. A. Rangadurai, a member of the Indian Administrative Service borne on the State Cadre of Gujarat, for service under the Pondicherry Industrial Promotion, Development and Investment Corporation, for a period of one year with effect from the date of his relief by the Government of Gujarat.

V. RANGANATHAN, Dy. Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

New Delhi-1, the 22nd October 1974

ORDER

No. 7/10/74-CL.II.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (b) of sub-section (4) of Section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Company Law Board hereby authorises Shri K. Gopalakrishnan, Senior Technical Assistant, Office of the Registrar of Companies, Kerala, in the Department of Company Affairs, Government of India, for the purposes of the said Section 209.

T. S. SRINIVASAN
Joint Director of Inspection &
Ex-Officio Dy. Secy. to the Company Law Board

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

New Delhi, the 7th October 1974

RESOLUTION

No. 07011/3/72-Salt.—In supersession of this Ministry's RESOLUTION No. 07011/1/70-Salt, dated the 9th July 1971, the Government of India have decided to reconstitute the Central and the Regional Advisory Boards for Salt. The functions of the Central Board will be to advise the Government of India on the administration of the proceeds of the salt cess levied under Section 3 of the Salt Cess Act, 1953, and to make recommendations generally for measures conducive to the development of the salt industry, e.g.

- (i) establishment and maintenance of research stations, model farms and salt factories;
- (ii) fixing the grades of salt and improving its quality;
- (iii) development of exports;
- (iv) promoting and encouraging co-operative efforts among the manufacturers of salt;
- (v) any other matter pertaining to the development of salt industry;
- (vi) promoting the welfare of labour employed in the salt industry; and

the functions of the Regional Boards will be to make recommendations on similar lines to the Central Board in so far as their respective areas are concerned.

2. The composition of the reconstituted Central and Regional Advisory Boards for Salt will be as follows :—

A. CENTRAL ADVISORY BOARD

CHAIRMAN :

1. Joint Secretary, Ministry of Industrial Development, concerned with the administration of 'Salt'.

MEMBERS :

2. The Deputy Secretary, Ministry of Industrial Development concerned with the administration of 'Salt'.
3. Director, Central Salt & Marine Chemicals Research Institute, Bhavnagar.
4. The Director General, Technical Development, Ministry of Industrial Development, New Delhi or his representative.
- 5—7. One representative from the Government of Gujarat and two representatives from the Governments of other major salt producing States of Andhra Pradesh, Maharashtra, Tamil Nadu, and Rajasthan to be nominated by the Central Government by rotation. The rotational representation during the tenure of the present Board will be one each from the Governments of Andhra Pradesh and Maharashtra.
- 8—9. Two representatives from the Governments of the States other than those mentioned at S. Nos. 5—7 above to be nominated by the Central Government by rotation. The representatives during the tenure of the present Board will be one each from the Governments of Uttar Pradesh and Himachal Pradesh.
- 10—15. One person each to be nominated by the Central Government from the States of (1) Tamil Nadu (2) Andhra Pradesh (3) West Bengal and Orissa (4) Maharashtra (5) Gujarat and (6) Rajasthan, who, in the opinion of the Central Government, has knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz., :—

- (i) Shri R. V. Ramani
Managing Director,
Mettur Chemical & Industrial Corporation Ltd.
7, Second Line Beach, Madras-1.

(ii) Shri A. Suryanarayana Rao,
Appanna House,
Visakhapatnam, (A.P.).

(iii) Dr. P. V. J. Rao,
Pakanati House,
Berhampur (Orissa).

(iv) Shri A. H. Bhiwindiwala,
583, Chira Bazar,
Bombay.

(v) Shri Cawasji Nasarwanji Dinshaw,
United Salt Works & Industries Ltd.,
Kandla (Gujarat).

(vi) (To be announced later).

16. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of the salt trade viz.,
Chairman, Bharat Chamber of Commerce,
Bharat Chambers,
8-Old Court House Street,
Calcutta-1.

17—18. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz.,—

(i) Shri Nurul Islam, Advocate, Dhubri, Assam.

(ii) (name to be announced later).

19. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of labour problems viz;—

Shri M. S. Ramachandran,
General Secretary,
Textile Mills Engg. Workers Union,
Madurai-1 (Tamil Nadu).

20. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of salt-based chemical industries, viz :—

Shri S. K. Jain, President,
Dhrangadhra Chemicals Works Ltd.,
Sahapuram, Arumugeneri,
Tirunelveli Dt.
Tamil Nadu.

21. A person to be nominated by the Central Government, who in their opinion, has knowledge and experience of the salt manufacturing co-operative societies, viz. :—

Shri M. S. Selvarajan,
President,
Salt Workers Cooperative Production & Salt Society Ltd.
Arumugeneri,
Tirunelveli Dt. (Tamil Nadu).

MEMBER-SECRETARY

2. Salt Commissioner Jaipur.

NOTE :—Representatives of the Ministry of Railways, Ministry of Transport and Shipping, State Trading Corporation, the Export Promotion Wing of the Ministry of Commerce may be invited to attend the meeting of the Central Advisory Board, when necessary.

B. REGIONAL ADVISORY BOARDS

(1) TAMIL NADU

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur.

MEMBERS

2. A representative of the Government of Tamil Nadu.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

(i) Shri A. M. Govindarajan, Secretary,
District Trade Union,
65, East Raja Street,
Tanjor (Tamil Nadu)

(ii) Shri S. A. Muruganantham,
General Secretary,
Thanbadu Uppumodai Sumai Thozilalar Sangh,
Tuticorin (Tamil Nadu)

5-7. Three persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

(i) Shri C.I.R. Machado,
Salt Lessee,
Tuticorin (Tamil Nadu)

(ii) Shri Venugopal,
Manager, WIMCO,
Vedaranyam (Tamil Nadu).

(iii) Shri C. Vedachalam, Chunnampet Salt Factory,
Chengleput—Distt. (Tamil Nadu),
2A, Garden Road,
Kilpauk, Madras-600010.

8-9. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

(i) Shri S. Ramalingam, MLA, Tuticorin.

(ii) (Name to be announced later).

10. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

Shri V. Kuppaswamy,
President, Cheyyur Factory Salt Manufacturing and
Marketing Sales Co-operative Society,
Cheyyur (Tamil Nadu).

MEMBER-SECRETARY

11. Deputy Salt Commissioner, Madras.

(2) Andhra Pradesh

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur.

MEMBERS

2. A representative of the Government of Andhra Pradesh.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

(i) Shri Modali Satyam,
Secretary, INTUC Unions and Town Congress,
Vizianagaram (Andhra Pradesh).

(ii) Shri D. S. Reddi,
President,
Naupada Salt Circle Salt Workers' Union,
Naupada (Srikakulam Dt.)
(Andhra Pradesh).

5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

(i) Shri A. Suryanarayana Murthy,
Appanna House,
Visakhapatnam, Andhra Pradesh.

(ii) Shri K. S. Dutta, Lessee,
Guruzanapalli Factory,
Via, Kakinada (A.P.)

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

(Names to be announced later)

9. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

Shri B. Sivareddy,
President, Pakala Sri Ramalingeswara Salt Workers'
Production and Sales Society,
Pakala (A.P.)

MEMBER-SECRETARY

10. Deputy Salt Commissioner, Madras.

(3) WEST BENGAL

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur.

MEMBER

2. A representative of the Government of West Bengal.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

(i) Shri Samar Chakrabarti,
Sramik Bhavan,
177/B, Acharya Jagadish Bose Road,
CALCUTTA-14.

(ii) (Name to be announced later)

5-6. Two persons to be nominated by the Central Government who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

(i) Shri Depak Mondal,
Great Bengal Salt Co.
Contai (West Bengal).

(ii) Shri Samarendra Dutta,
Superintendent,
the Bengal Salt Company Ltd.
P. O. Dadanpatrabar, Via Contai,
District Midnapore (West Bengal)

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

(Names to be announced later)

9. A person to be nominated by the Central Government who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

A representative of the Government of West Bengal from their Department of Cooperation.

MEMBER-SECRETARY

10. Assistant Salt Commissioner, Calcutta.

(4) ORISSA

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur.

MEMBERS

2. A representative of the Government of Orissa.

3-4. Two representatives to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

(i) Shri K. N. Pathak,
Joint Secretary,
Gangapur Labour Union,
B. C. Birmitrapur, S.E. Rly,
District Sundargarh, (Orissa)

(ii) (Name to be announced later).

5-6. Two persons, to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

(i) Shri V. Sitaramayya,
Adviser, Humma Salt Production Sales Co-operative
Society Ltd.,
Ganjam. (Orissa)

(ii) Shri D. N. Modi,
President,
Orissa Salt Manufacturers Association,
Naya Sarak,
P. O. Cuttack (Orissa)

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

(ii) (Names to be announced later).

9. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

President,
Astrang Salt Production and Sales Co-operative
Society Ltd.,
P.O. Astrang, Distt. Puri (Orissa)

MEMBER-SECRETARY

10. Assistant Salt Commissioner, Calcutta.

(5) MAHARASHTRA

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur

MEMBERS

2. A representative of the Government of Maharashtra.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

(i) Shri S. G. Karnik,
20/306, Sidhartha Nagar,
Gorgeon (West)
BOMBAY-60.

(ii) Shri V. G. Nimkar,
Secretary, Rashtriya Chemical Namgar Sangh,
P.O. Ambernath, (Dt. Thana)

5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

(i) Shri B. M. Gogte,
C/O Gogte Salt & Chemicals,
126, Backway Reclamation,
Bombay.

(ii) Shri Nadirshah P. Bhathaina,
Bhandup Salt Works,
Bhandup (Bombay).

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

(ii) (Names to be announced later).

9. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

Shri M. I. Menezes,
Member of Working Committee, Sarvodaya Advasi
M.U.S.S. Ltd.
Bassein (Maharashtra)

10. Director of Industries, Government of Goa, Daman & Diu, Panaji.

MEMBER-SECRETARY

11. Deputy Salt Commissioner, Bombay.

(6) GUJARAT

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner, Jaipur.

MEMBERS

2. A representative of the Government of Gujarat.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

- (i) Shri Rauchhodbhai J. Patel,
Secretary,
Majoor Mahajan Sangh,
Mahatma Gandhi, Road,
Kalol (Gujarat).
- (ii) Shri I. A. Usmani,
General Secretary Gujarat Refinery Kamdar Sangh,
6/5, Southern Township, P.O. Jawaharnagar,
District Baroda (Gujarat).

5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

- (i) Shri Bharat Kamdar,
Digvijaysinghji Salt Works,
Jamnagar (Gujarat).
- (ii) Shri J. M. Pandya,
Director,
Deongarsee Salt Works,
Kutch (Gujarat).

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

- (ii) (Names to be announced later).

9. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

Shri Viju Bhai Mehta,
President,
Gujarat Rajya Mitha Utpadak Shakari Sangh Ltd.
Surendranagar, (Gujarat).

10. Director of Industries, Government of Goa, Daman & Diu, Panaji.

MEMBER-SECRETARY

11. Deputy Salt Commissioner, Bombay.

(7) RAJASTHAN

CHAIRMAN

1. Salt Commissioner Jaipur.

MEMBERS

2. A representative of the Government of Rajasthan.

3-4. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of labour problems, viz. :—

- (i) Shri Narayan Verma,
Purana Jachakhana,
Sambhar Lake (Rajasthan).
- (ii) Shri Gopiram Tundwal,
Gajpura, Via Phulera,
Jaipur District (Rajasthan).

5-6. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of salt manufacture in the area, viz. :—

- (i) Works Manager,
Sambhar Salts Ltd.
Sambhar (Rajasthan).
- (ii) President, Phalodi Salt Manufacturers' Association,
Phalodi (Rajasthan).

7-8. Two persons to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, have knowledge and experience of public affairs, viz. :—

- (i) Shri P. N. Kathju, Malviya Marg, 'C' Scheme,
Jaipur.
- (ii) Name to be announced later.

9. A person to be nominated by the Central Government, who, in their opinion, has knowledge and experience of salt manufacturing co-operative societies in the area, viz. :—

A representative of the Government of Rajasthan from their Department of Co-operation.

MEMBER-SECRETARY

10. Deputy Salt Commissioner (Headquarters), Jaipur.

3. (a) The Central and the Regional Advisory Boards will have a term of 2 years from the date of their constitution.

- (b) If a non-official seat on a Board falls vacant, the Central Government shall make fresh nominations to fill up the vacancy. The person so nominated shall hold office for the unexpired portion of the term of the Board.

- (c) If a nominated member is unable to attend a meeting, he will intimate the fact in writing addressed to the Chairman of the Central of the Regional Board, as the case may be.

- (d) The quorum for a meeting shall be 7 for the Central Board and 3 for the Regional Boards.

- (e) Every non-official member attending a meeting of the Central or Regional Board or of a sub-committee duly constituted on the recommendation of the Board shall be entitled to travelling allowance and daily allowance as admissible under the rules or approved by the Central Government from time to time.

The following officers will be the Controlling Officers for the purpose of countersigning the bills of the non-official members of the Central & Regional Advisory Boards in respect of the travelling & daily allowance :—

Sl. No.	Name of the Advisory Board for Salt	Controlling Officer
(i)	Central Advisory Board for Salt.	Salt Commissioner, Jaipur.
(ii)	Tamil Nadu Regional Advisory Board for salt.	Deputy Salt Commissioner, Madras.
(iii)	Andhra Pradesh Regional Advisory Board for Salt.	Deputy Salt Commissioner, Madras.
(iv)	West Bengal Regional Advisory Board for Salt.	Assistant Salt Commissioner, Calcutta.
(v)	Orissa Regional Advisory Board for Salt.	Do.
(vi)	Maharashtra Regional Advisory Board for Salt.	Deputy Salt Commissioner, Bombay.
(vii)	Gujarat Regional Advisory Board for Salt.	Deputy Salt Commissioner, Bombay.
(viii)	Rajasthan Regional Advisory Board for Salt.	Deputy Salt Commissioner, Jaipur.

All M.P. Members of the Regional Boards may attend the meetings of the Central Advisory Board and members of the Central Advisory Board having knowledge and experience of salt manufacture from a particular area may attend the meetings of the Regional Advisory Board for that area.

(f) A non-official member may resign his office by letter addressed to the Chairman of the Central or Regional Board, as the case may be.

(g) If a non-official member leaves India, he shall intimate to the Chairman of the Board concerned, before leaving India, the date of his departure from and the date of his expected return to India, and, if he intends to be absent from India for a period longer than 6 months, he shall tender his resignation. If any such member leaves India without complying with the above, he shall be deemed to have resigned with effect from the date of his departure from India.

(h) A member shall be declared by the Chairman concerned to have vacated his office :

- (i) If he becomes insolvent, or
- (ii) If he is convicted of any offence, which, in the opinion of the Central Government, involves moral turpitude, or
- (iii) If he is absent from 3 consecutive meetings of the Board without leave or absence from its Chairman, or
- (iv) If, in the opinion of the Central Government, it is undesirable that he should continue to be a member of the Board.

(i) The Secretary of the Boards, with the approval of the Chairman of the Central Board, may invite one or more non-official members of other Boards or other persons to attend any meeting of a board, and such members or persons shall be entitled to travelling allowance etc. as indicated under clause (e).

(j) The Board shall meet at such place and time as may be appointed by the Chairman.

(k) A notice shall be given to every member present in India of the time and place fixed for each ordinary meeting at least 15 days before such meeting and each member shall be furnished with a list of business to be disposed of at that meeting.

Provided that when an emergent meeting is called by the chairman, such notice shall not be necessary.

(l) No business, which is not on the list, shall be considered by a meeting without the prior permission of the Chairman of the Board concerned.

(m) The chairman shall preside over the meeting of the Board at which he is present. If the Chairman is absent from any meeting, the members present shall elect one of the members to preside over the meeting and the member so elected shall, at that meeting exercise all the powers of the Chairman.

(n) Every question at a meeting of the Board shall be decided by a majority of votes of the members present and voting on that question. In the case of an equal division of votes, the Chairman shall give an additional vote.

(o) The proceedings of each meeting of the Board shall be circulated to all members present in India and thereafter recorded in a Minute Book, which shall be kept for permanent record.

The record of the proceedings of each meeting shall be signed by the Chairman of the Board.

(p) Proposals for expenditure in a Region to be met from the proceeds of the Cess shall be considered first by the Regional Board. For this purpose, preliminary estimates detailing the proposals and its estimated cost together with other necessary data shall be prepared by the Regional Officers. The proposals together with the Regional Board's recommendation shall then be considered by the Central Board.

Works of developmental nature and labour welfare, costing upto Rs. 1,00,000/- each, may be approved for execution by the Regional Boards themselves without referring them to the Central Advisory Board for their final recommendations.

(q) The recommendations of the Central Board shall be submitted to the Central Government for acceptance after which detailed estimates shall be prepared. The estimates shall be sanctioned by competent authority.

(r) No act or proceeding of the Central Board or any of the Regional Boards shall be called in question on the ground merely of the existence of any vacancy in, or defect in the constitution of the Central Board, or, as the case may be, any of the Regional Boards.

ORDER

ORDERED that this Resolution be communicated to all State Governments, all Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat and Prime Minister's Secretariat.

2. ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section I.

R. RAMANUJAM, Under Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 19th October 1974

No. 10-3/74-FAIT.—On the expiry of the terms of Members representing the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry and the Farmers' Forum on the National FAO Liaison Committee constituted in the Ministry of Agriculture under Resolution No. 16-72/27-Policy dated the 8th November, 1948 and re-constituted under Resolution No. 10-1/65-FAIT dated the 9th September 1966, as amended to date, the following have been nominated to serve on the Committee as Representatives of the Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry and the Farmer's Forum for a period of three years from 1-9-74 and 1-10-74 respectively :—

1. Prof. M. P. Gandhi, Manabhoy Mansion, P. Mehta Road, Bombay-400001.—Representative, F.I.C.C. & I.
2. Dr. D. A. Bholay, A-1, Nizamudin West, New Delhi.—Representative, Farmers' Forum.

R. T. THADANI, Under Secy.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE (DEPARTMENT OF EDUCATION)

New Delhi, the 30th September 1974

No. F.12-8/71SPII(YSI-3).—In continuation of the Ministry of Education and Social Welfare Notification of even No. dated the 18th December 1973, Shri M. S. Palnitkar, Secretary to the Government of Maharashtra, Social Welfare Cultural Affairs Sports and Tourism Deptt., is hereby nominated as a member of the Board of Governors of the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports vice Major R. G. Salvi.

Shri M. S. Palnitkar will serve on the Board till the 23rd April 1975.

N. M. TAGORE
Deputy Educational Advisor

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT (TRANSPORT WING)

New Delhi, the 19th October 1974

RESOLUTION

No. 20-PGB(25)/73/PT.—In the Ministry of Shipping and Transport Resolution No. 20-PGB(25)/73/PT, dated the 27th September, 1974, regarding re-constitution of the National Harbour Board, the following names may be inserted at S. Nos. 18 to 20 as members of the Board :—

18. Shri N. Shivappa, Member, Lok Sabha.
19. Shri D. P. Jadeja, Member, Lok Sabha.
20. Shri K. Sreenivas Rao, Member, Rajya Sabha.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the members of the Board, Secretary to the President, Prime Minister's Secretariat, Cabinet Secretariat, Planning Commission, Ministries, Departments of the Government of India and the State Governments concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. SIVARAJ, Jt. Secy.

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

RULES

New Delhi, the 9th November 1974

No. 74/E(GR)1/20/3.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1975 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966, the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or
- (e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and the East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly, Tanganyika and Zanzibar) with the mention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may

also be provisionally appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 19 years on 1st January, 1975 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1956, and not later than 1st January, 1959.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at three previous examinations;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March 1971. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at eight previous examinations;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at three previous examinations;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at eight previous examinations;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);
- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at three previous examinations.
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at eight previous examinations;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at three previous examinations;

- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes. This concession shall not, however, be admissible to a candidate who has already appeared at eight previous examinations;
- (xiii) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xiv) up to a maximum of eight years, in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division or obtained the Cambridge School Certificate/Indian School Certificate with at least five credits including credits in Mathematics and at least in one of the subjects Physics and Chemistry.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year Examination is conducted by a University; or

- (c) must have passed in the first or second division the pre-Engineering Examination of a University approved by the Government of India; or
- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or
- (e) must have passed the first year Examination under the five-year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the High Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division or obtained the Cambridge School Certificate/Indian School Certificate with at least five credits including credits in Mathematics and at least in one of the subjects Physics and Chemistry.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first year Examination is conducted by a University; or

- (f) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of

Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided that the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which, in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or a temporary capacity or as a work-charged employee other than a casual or daily-rated employee, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means in the examination hall, or
- (viii) misbehaving in the examination hall, or
- (ix) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

12. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railways Service.

16. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, except any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV

A. L. GUPTA
Secy. Railway Board.

APPENDIX I

(SEE Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan :

Part I—Written examination carrying a maximum of 600 marks in the subjects as shown below :

Part II—Personality Test (including psychological tests) carrying a maximum of 400 marks. (Vide Rule 13).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows :—

Sl. No.	Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	2 hours	150
2.	Science and General Knowledge	2 hours	150
3.	Mathematics		
PAPER I			
	Algebra, Plane Geometry and Elementary Mensuration, and Analytical Geometry	2 hours	150
PAPER II			
	Elementary Trigonometry, Elements of Differential Calculus and Statistic and Dynamics	2 hours	150

3. CANDIDATES ARE EXPECTED TO BE FAMILIAR WITH THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES. IN THE QUESTION PAPERS WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE USE OF MEHRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES MAY BE SET.

4. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

5. All papers must be answered in English.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects, at the examination.

9. Marks will not be allotted for more superficial knowledge.

10. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

11. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

SCHEDULE

ENGLISH.—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language. Among other tests a passage will be set for the precis.

Science and General Knowledge

The question paper is intended to test the candidates' general scientific knowledge in Physics and Chemistry; and General Knowledge including Geography, History and Current Affairs. The question paper will have three parts, viz : A, B and C, each containing 4 questions. Candidates will be required to attempt 3 questions from each part.

PART A—Physics

Three states of matter, Simple measurements of length, mass and time,

Motion of particles in a straight line. Newton's Laws of motion. Uniform circular motion. Simple, harmonic motion.

Equilibrium of bodies under the action of forces. Gravitation and gravity. Escape velocity.

Work, energy and power.

Principle of Archimedes. Floating bodies. Determination of specific gravity. Atmospheric pressure.

Measurement of temperature. Heat and expansion. Simple calorimetry. Gas Laws Change of state. Heat as energy. Transmission of heat. Laws of Thermodynamics. Heat engines.

Wave motion, velocity of sound, vibrating bodies, Reverberation and echo.

Rectilinear propagation of light. Shadows and eclipses. Reflection and refraction. Mirrors, lenses and prisms. The spectrum. Simple optical instruments.

Properties of a magnet. Magnetic field and magnetic moment. Elements of the earth's magnetic field. Dia—Para—, and Ferro-magnetism.

Coulombs' law. The electric field. Potential and potential difference. Current and resistance. Conductor semi-conductor and insulator. Ohm's law. Series and parallel combination of resistances. Galvanometers and Shunts. Ammeter and voltmeter. Potentiometer.

Heating effect, magnetic effect and chemical effect of electric current. Laws of electrolysis. Primary and storage cells. Battery charges.

Generation and distribution of alternating current.

PART B—Chemistry

Physical and chemical changes. Laws of chemical combination. Atoms and molecules. Atomic weights, molecular weights, equivalent weights, Valency and chemical bonds. Periodic classification of elements. Oxidation and reduction —electronic concept.

Hydrogen, oxygen ozone, water, hydrogen peroxide Acids, bases and salts. Halogens, hydrogen halides and important oxyacids and oxy-salts of halogens. Sulphur, hydrogen sulphide, sulphur dioxide and sulphuric acid. Nitrogen, ammonia, oxides of nitrogen, nitric acid Phosphorus, oxides of phosphorus, phosphoric acids. Carbon, carbon mono-oxide, carbon dioxide.

Occurrence of metals, and general principles of their extraction. Sodium calcium, magnesium, aluminium, zinc, lead, tin, copper, silver, iron and their important compounds alloys and their uses.

Elements of organic chemistry: Purification of and detection and estimation of Elements in organic compounds. Aliphatic compounds: Hydrocarbons; halogen derivatives; alcohols; ethers; aldehydes and ketones; fatty acids, substituted fatty acids and polybasic acids; esters; acid chlorides and anhydrides; acid amides; amines; carbohydrates. Aromatic compounds: Benzene toluene and their halogen-nitro-hydroxy-, and sulphonic acid derivatives; aniline and diazonium compounds; benzaldehyde; benzoic acid and benzoates: Salicylic acid and salicylides.

PART C—General Knowledge including Geography, History and Current Affairs.

GENERAL—Eminent scientists and their achievements.

Elementary knowledge of the human body and its important organs. Common epidemics, their causes, means of prevention and cure.

GEOGRAPHY

Shape and movements of the earth. Seasons. Climate and weather. Main climatic and vegetable regions. Earth's crust, erosion, transportation and deposition. Earthquakes and volcanoes. Tides and ocean currents. Human occupations and activities in relation to geographical factors.

Geography of India with special reference to mountains, rivers and human occupations. Main industries and their

distribution. Agriculture and important crops. Forest wealth, Flora and fauna of the land and the sea.

HISTORY

Broad outline knowledge of Indian History. Ancient Indian custom and civilisation as inferred from monuments. Ancient buildings and literature. Growth of self-government in India, and the national struggle for freedom. The great religions of India.

Elementary knowledge of major events of international importance in world history, including important reforms and important industrial and national movements.

CURRENT AFFAIRS

Broad features of the Constitution of India. Important measures of legislation undertaken by the Parliament and the State legislatures in India. Basic features of India's policy relating to foreign affairs. Knowledge of important events that have happened in India and abroad during the past two years. Important personalities, both India and foreign. Sports and cultural activities of outstanding importance.

MATHEMATICS—There will be two papers.

Paper I—Algebra, Plane, Geometry and Elementary mensuration and Analytical Geometry.

Paper II—Elementary Trigonometry Elements of Differential Calculus, and Statics and Dynamics.

The following syllabus is designed to indicate the scope of each subject included in these papers. The questions will be of a type to test the candidate's understanding of and the power of applying the basic principles of the subject rather than his knowledge of book work and standard methods.

PAPER I

Algebra

Formulae, their evaluation and transformation, notice of a function; rate of change, factors; fractions; the gradient and area of graph; quadratic expressions; solution of equations, linear and quadratic simple and simultaneous, use of Logarithms; simple properties of positive, negative and fractional indices; Arithmetical and Geometrical progression.

Plane Geometry and Elementary Mensuration of prism Pyramid, right circular cone and Cylinder.

The substance of Euclid's six books; elementary ideas in Solid Geometry; Planes, rectangular blocks, wedges; pyramids, cylinders, cones and spheres.

Analytical Geometry

Simple properties of straight lines, circle, parabola, ellipse and hyperbola.

Note—Candidates will be allowed the use of four figure Log Tables.

PAPER II

Elementary Trigonometry

Trigonometrical ratios and their graphs; addition theorems; identities; simple trigonometrical equations; heights and distances.

Elements of Differential Calculus

Differentiation of simple functions, application to tangents and normals of simple curves.

Statics and Dynamics

Statics.—Coplaner forces; simple cases of equilibrium; moments; centre of gravity; work and power; simple machines.

Dynamics.—Velocity; acceleration; motion under gravity in a vertical plane and down a smooth inclined plane; motion of two masses connected by a string; conservation of energy.

Note.—Candidates will be allowed the use of four figure Log Tables.

PERSONALITY TEST

Psychological Tests.—Candidates called for Personality Tests will be required to undergo psychological tests designed to assess their basic intelligence and mechanical aptitude.

Interview.—Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

APPENDIX II

REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS.

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigations and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However the minimum standards for height and chest girth, without which candidates cannot be accepted, are as follows:

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates	152 Cm	84 Cm	5 Cm
Female candidates	150 Cm	79 Cm	5 Cm

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates, belonging to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese Nagaland Tribes, etc., whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under

the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and the care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than $\frac{1}{2}$ centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

(ii) Visual Acuity.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

N.B.—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision	Near Vision
	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9
	II	II

NOTE: (1)

(a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D.

(b) Total Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed + 4.00D.

(c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and effect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

Colour Vision .

The testing of colour vision is compulsory and the results should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :

Grade	Higher Grade of Colour Perception	Lower Grade of Colour Perception
1. Distance between the lamp and the candidate	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm.	13 mm.
3. Time for exposure	5 seconds	5 seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

Night Blindness

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidate's own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

Ocular conditions other than visual acuity :

- Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- Squint*. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- One eyed person*. One eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

Contact Lenses :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidates for special reasons.

7. *Blood Pressure :*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably, at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sound are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs of symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate 'fit subject to the glycosuria being non-diabetic' and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed:—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard:—
1. Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Unfit for appointment as Special Class Apprentices.
2. Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices.
3. Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type. Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.
4. Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices.
5. Persistently discharging ear-operated/unoperated. Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.
6. Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
 - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
 - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms—Temporarily unfit.
7. Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx,
 - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
 - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
8. Benign or locally malignant tumours of the E. N. T.
 - (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
 - (ii) Malignant tumours—Unfit.
9. Otosclerosis. Unfit for Appointment as Special Class Apprentices.
10. Congenital defects of ear, nose or throat.
 - (i) If not interfering with functions—Fit.
 - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
11. Nasal Poly] . . . Temporarily Unfit.

- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

Note.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner;

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to this Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters)

.....
.....
.....

2. State your age and birth place

.....
.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwals, Assamese, Nagaland Tribals etc. Whose average height is distinctly lower? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race.

.....

4. (a) Have you ever had smallpox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks rheumatism, appendicitis ?

.....
.....

OR

(b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?

.....

5. When were you last vaccinated ?

.....

.....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity ?

.....

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

.....

8. Furnish the following particulars concerning your family—

Father's age if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
.....

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
.....

9. Have you been examined by a Medical Board before ?

.....

10. If answer to the above is yes, please state what Service/ Services you were examined for ?

.....

11. Who was the examining authority ?

.....

12. When and where was the Medical Board held ?

.....

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known ?

.....

I declare all the above answers to be, to the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence,
Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By willfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development :	Good.....
Fair.....	Poor.....
Nutrition :	Thin..... average.....
.....	obese.....
Height (without shoes)
Weight.....	Best Weight.....
When ?	Any recent change
in weight ?
Temperature

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)

(2) (After full expiration)

2. Skin . Any obvious disease.

3. Eyes :

(1) Any disease
(2) Night blindness
(3) Defect in colour vision
(4) Field of vision
(5) Visual Acuity
(6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis

Distant vision R.E.
L.E.

Near vision R.E.
L.E.

Hypermetropia R.E.
(Manifest) L.E.

4. Ears : Inspection Hearing
- Right Ear Left Ear
5. Glands Thyroid
6. Condition of teeth
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?
-
-
- If yes, explain fully
8. Circulatory System :
- (a) Heart : Any organic lesions ?
- Rate : Standing
- After hopping 25 times
-
- 2 minutes after hopping
-
- Blood pressure : Systolic :
- Diastolic :
9. Abdomen Girth Tenderness
- Hernia
- (a) Palpable : Liver
- Spleen Kidneys
- Tumours
- (b) Haemorrhoids Fistula
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.
11. Loco-Motor System : Any abnormality
-
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele. Varicocele etc. :
- Urine Analysis :
- (a) Physical appearance (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen (d) Sugar (e) Casts
- (f) Cells
13. Report of X-ray Examination of Chest.
14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

NOTE :In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit?

Date

Place

President.....
Member.....

APPENDIX III

CONDITIONS OF APPRENTICESHIP FOR SPECIAL CLASS
APPRENTICES SELECTED THROUGH THIS EXAMINATION

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway

Establishment manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate selected for appointment as a Special Class Apprentice shall execute an agreement, binding himself and one surety jointly and severally to refund in the event of his failing to complete training to the satisfaction of the Central Government any money paid to him consequent on his appointment as Apprentice.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

Note.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 125 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 175 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship the apprentices will be required to undergo training in four periods of one year each six months in the shops followed by six months in the School and will be examined at the end of each session. If unsuccessful at any of these examinations they will depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent. marks in the aggregate in all the examinations held during the 4 years of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways School of Mechanical and Electrical Engineering, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the 4 years he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent. marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours, a technical college or special lectures on engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

6. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting and Estimating General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination with the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will in any case, involve stoppage of increments. In case, where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after expiry of extended period of probation, the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will, as a rule, not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to 'justify such' relaxation being made.

7. The appointment and pay as a probationer will commence from (a) the date of completion of four years of apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later. Service for increment will subject to paragraph 6 above count from the date of appointment as probationer.

NOTE 1.—The retention in service of the probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

NOTE 2.—Service as probationer may be terminated on months notice on either side.

8. Particulars as to pay and general conditions of service prescribed for officers in the Indian Railways Service of Mechanical Engineers will be found in Appendix IV.

APPENDIX IV

PARTICULARS REGARDING THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEER

1. The probationary officers will be on probation for a period of three years during which their services will be liable to termination on three months' notice on either side. They shall undergo practical training for the first two years. Those who are reported upon and considered to have completed successfully the two years' training will be given charge of a working post provided they pass departmental and the other examinations as may be prescribed. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of the training is such as to justify such a relaxation being made. Failure to pass the examination may result in the termination of service and will, in any case, involve stoppage of increment. At the end of one year in a working post the officers will be required to pass final examination both practical and theoretical and will, if successful be confirmed provided they are considered otherwise fit for permanent appointment. In cases, where the probationary period is extended for any reason, on their passing the departmental examinations and being confirmed after expiry of the extended period of probation, the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by rules and orders in force from time to time.

Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda, in two phases, first during the period of their two years training and again during the period when they hold working posts. The test in the college is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officer is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of services and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

2. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi. Examination which is conducted by the Directorate of Education, Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 450.00 per month unless he fulfills this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

3. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers on the results of the Examination held in 1965 onwards shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any—

Provided that such a person

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

4. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers recruited under these Regulations :—

(a) will be eligible to pensionary benefits; and

(b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that Fund;

is applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

5. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 1 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 8 of this Appendix.

6. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officer of Indian Railways.

7. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

8. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior Scale : Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950 (authorised Scale).

Senior Scale : Rs. 700 (1st to 6th Year)—40—1,100—50/2—1,250 (authorised Scale).

Junior Administrative Grade Rs. 1,300—60—1,600.

Intermediate Administrative Grade : Rs. 1,600—100—1,800.

Senior Administrative Grade : Rs. 2,000—100—2,500.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 400.00 p.m. to Rs. 450.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 400.00 to Rs. 450.00, will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training, their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage in the time scale, which

they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

NOTE 3.—Advance increments from Rs. 400 to Rs. 450 and from Rs. 450 to Rs. 480 in the junior scale of Rs. 400—950 may, however, be granted during the period of probation as soon as the probationary officer passes the prescribed examinations. After the grant of advance increments, the pay of the officer will be regulated according to his position in the time scale.

NOTE 4 :—The scales of pay as indicated above, are liable to revision on the basis of the recommendation of the Pay Commission.

9. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

10. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection; mere seniority does not confer any claim for such promotion.